4. राजेन्द्र यादव सातवें दशक के उपन्यासकार हैं।

5. जयशंकर प्रसाद की कहानियों में उर्दू का प्रयोग बड़ी मात्रा में किया गया है?

सही विकल्प चुनिए -

6. 'जयसन्धि' कहानी के लेखक हैं -

(क) जैनेन्द्र कुमार (ख) अज्ञेय

(ग) प्रेमचन्द (घ) गुलेरी

7. 'गोदान' की झुनियाँ किस वर्ग की प्रतिनिधि है -

(क) दलित वर्ग की (ख) मध्यम वर्ग की

(ग) विधवा वर्ग की (घ) सर्वहारा वर्ग की

8. 'शेखर : एक जीवनी' की विधा है -

(क) कहानी (ख) जीवनी

(ग) उपन्यास (घ) महाकाव्य

9. 'समय सरगम' का सम्बन्ध कला की किस विधा से है -

(क) संगीत (ख) अभिनय

(ग) साहित्य (घ) चित्रकला

10. 'एक और जिन्दगी' के लेखक हैं -

(क) अमरकांत (ख) मोहन राकेश

(ग) उषा प्रियंवदा (घ) अज्ञेय

अनुक्रमांक .....

एम. ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2012

हिन्दी

एम. ए. एच. डी. - 06

कथा साहित्य

समय : 3 घण्टा **पूर्णांक : 60**

निर्देश : प्रश्नपत्र को तीन भागों में विभाजित किया गया है - 'क', 'ख' और 'ग'। प्रश्नों में दिये गये निर्देशों के अनुसार उनके उत्तर दें।

खण्ड - क

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×15=30

1. किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए -

(क) तुम वहाँ खड़े-खड़े क्या तमाशा देख रहे हो? कोई तुम्हारी सुनता भी है कि यों ही शिक्षा दे रहे हो। उस दिन इसी वहू ने तुम्हें घूंघट की आड़ में डाढ़ीजार कहा था, भूल गए। वहुरिया होकर पराए मर्दों से लड़ेगी, तो डाँटी न जाएगी? होरी द्वार पर आकर नटखटपन के साथ वोला - और जो मैं इसी तरह तुझे मारूँ?

- क्या कभी मारा नहीं जो मारने की साध वनी हुई है?

- इतना वेदर्दी से मारता तो तू घर छोड़कर भाग जाती। पुनिया बड़ी गमगोर है।

- ओहो! ऐसे ही तो वड़े दरद वाले हो। अभी तक मार का दाग वना हुआ है। तुमने

खाली मारना सीखा, दुलार करना सीखा ही नहीं। मैं ही ऐसी हूँ कि तुम्हारे साथ निबाह हुआ।

(ख) मैं अपने जीवन का प्रत्यावलोकन कर रहा हूँ, अपने अतीत जीवन को दुबारा जी रहा हूँ। मैं जो सदा आगे ही देखता रहा, अपनी जीवन यात्रा के अन्तिम पड़ाव पर पहुँच कर पीछे देख रहा हूँ कि मैं कहाँ से चलकर किधर-किधर भूल भटक कर कैसे-कैसे विचित्र अनुभव प्राप्त करके यहाँ आया हूँ।... अब मैं अधूरा हूँ, पर मुझमें कुछ भी न्यूनता नहीं है, अपूर्ण है, पर मेरी सम्पूर्णता के लिए कुछ भी जोड़ने को स्थान नहीं है।

(ग) चनाब का पानी आज भी पहले-सा सर्द था, लहरें लहरों को चूम रही थीं। वह दूर-सामने कश्मीर की पहाड़ियों से बर्फ पिघल रही थी। उछल-उछल आते पानी के भँवरों से टकराकर कगारे गिर रहे थे, लेकिन दूर-दूर तक बिछी रेत आज न जाने क्यों खामोश लगती थी! शाहनी ने कपड़े पहने, इधर-उधर देखा, कहीं किसी की परछाईं तक न थी। पर नीचे रेत में अगणित पाँवों के निशान थे। वह कुछ सहम-सी उठी।

2. 'गोदान' के ग्रामीण जीवन से सम्बन्धित कथा पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

3. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'मधुवा' या 'पत्नी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

4. अमरकांत की कहानी 'जिन्दगी और जोंक' का रजुआ समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - ख

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। 4×5=20

1. प्रेमचन्द युग के उपन्यासों पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. 'गोदान' की मालती का परिचय दीजिए।

3. 'समय सरगम' की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

4. हिन्दी में आँचलिक कहानी से जुड़े कथाकारों का परिचय दीजिए।

5. 'शतरंज के खिलाड़ी' की कथाभूमि को स्पष्ट कीजिए।

6. 'पिता' कहानी के पिता के मानसिक द्वन्द्व को स्पष्ट कीजिए।

7. 'मेरा दुश्मन' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

8. 'सिक्का बदल गया' की शाहनी के चरित्र की विशेषताओं के बारे में बताइये।

खण्ड - ग

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 1×10=10

निम्नलिखित के आगे सत्य/असत्य लिखिए -

1. सुदर्शन भारतेन्दु युग के कथाकार हैं।

2. 'सुन्ना पाण्डे की पतोहू' के लेखक यशपाल हैं।

3. मधुवा प्रेमचन्द की कहानी 'गुल्ली डंडा' का पात्र है।